यूट्यूब से सीखकर पति-पत्नी ने बनाई नकली नोट छापने की फैक्ट्री, आर्थिक तंगी से थे परेशान

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पुलिस ने जाली नोटों के एक बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया है. हैरानी की बात यह है कि यह पूरा रैकेट एक पति-पत्नी द्वारा अपने ही घर से संचालित किया जा रहा था.

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पुलिस ने जाली नोटों के एक बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया है. हैरानी की बात यह है कि यह पूरा रैकेट एक पति-पत्नी द्वारा अपने ही घर से संचालित किया जा रहा था. आर्थिक तंगी से छुटकारा पाने के लिए इस दंपति ने घर को 'मिनी करेंसी फैक्ट्री' में तब्दील कर दिया और साप्ताहिक बाजारों में भोले-भाले व्यापारियों को ठगना शुरू कर दिया.

साप्ताहिक बाजार में मटर-मिर्च खरीदते समय पकड़ाए

यह पूरा मामला 29 दिसंबर का है, जब रानीतराई थाना क्षेत्र के साप्ताहिक बाजार में नकली नोट खपाने की सूचना मिली. सब्जी विक्रेता तुलेश्वर सोनकर की सतर्कता से इस गिरोह का पर्दाफाश हुआ. शाम करीब 5:30 बजे एक महिला और पुरुष तुलेश्वर की दुकान पर पहुंचे. उन्होंने 60 रुपये की मटर और मिर्च खरीदी. भुगतान के लिए उन्होंने 500 रुपये का नोट दिया. दुकानदार ने बाकी पैसे लौटा दिए, लेकिन बाद में नोट की जांच करने पर वह नकली निकला.

Source: https://ndtv.in/madhya-pradesh-chhattisgarh/fake-currency-racket-busted-in-durg-husband-wife-duo-turn-home-into-mini-currency-factory-10100033